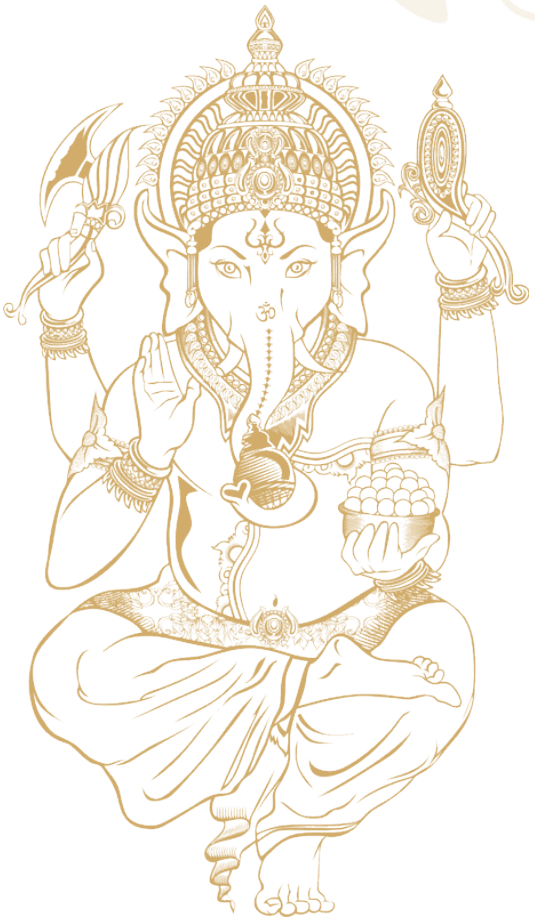

Mr. Ayodhya

04 Sep 2025

01:58 AM

Ayodhya

Model: web-freekundliweb

Order No: 119447404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**3-04/09/2025**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**01:58:00 घंटे**
इष्ट	50:40:58 घटी
स्थान	**Ayodhya**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:47:00 उत्तर
रेखांश	82:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:56:48 घंटे
वेलान्तर	00:00:38 घंटे
साम्पातिक काल	00:49:42 घंटे
सूर्योदय	05:41:36 घंटे
सूर्यास्त	18:18:54 घंटे
दिनमान	12:37:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:22:29 सिंह
लग्न के अंश	27:57:56 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:57:56	311:44:06	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	17:22:29	00:58:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	28:10:52	12:52:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			कन्या	23:33:11	00:39:08	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	08:16:13	01:55:42	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	24:09:42	00:10:31	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	16:46:20	01:12:14	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	05:36:21	00:04:17	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:08:38	00:00:36	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:08:38	00:00:36	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:14:40	00:00:07	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:04:21	00:01:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:30:35	00:01:00	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मीन	19:17:09	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित

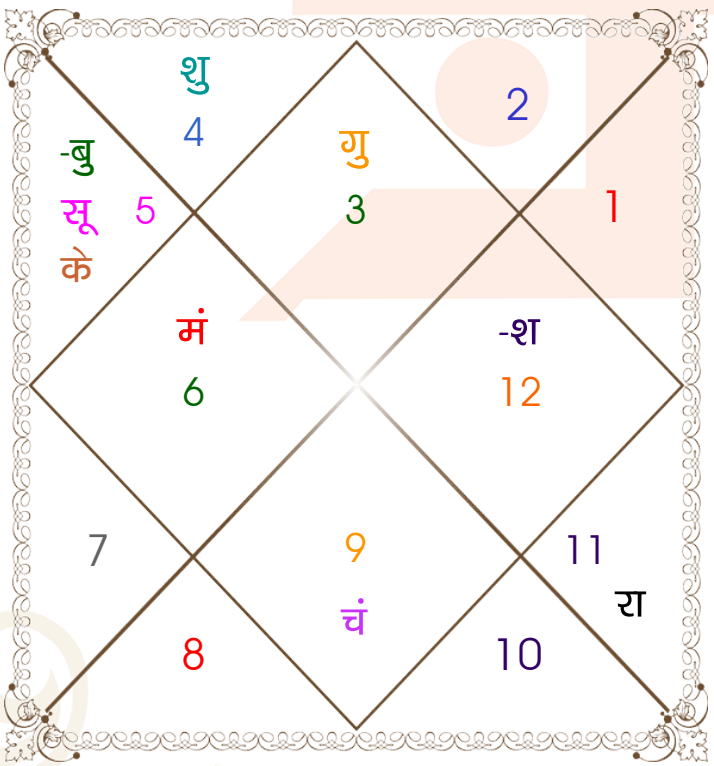

चन्द्र कुंडली

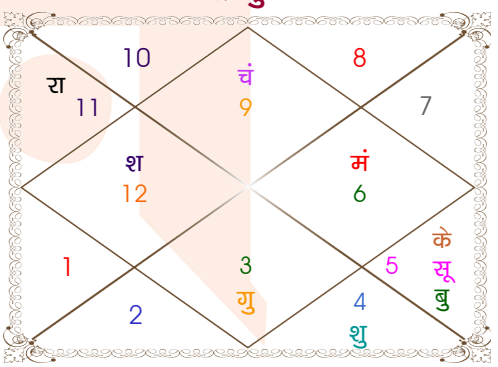

नवमांश कुंडली

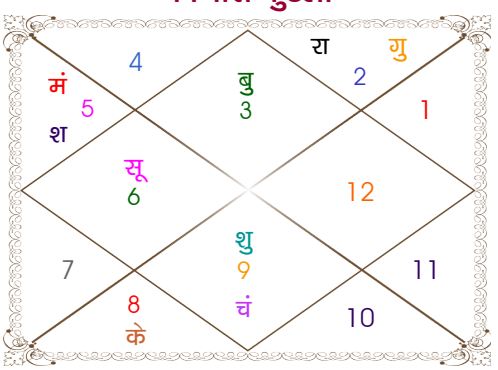

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 3 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/09/2025		29/12/2030		29/12/2040		29/12/2047		29/12/2065	
29/12/2030		29/12/2040		29/12/2047		29/12/2065		29/12/2081	
	04/09/2025	चंद्र	30/10/2031	मंगल	27/05/2041	राहु	11/09/2050	गुरु	16/02/2068
चंद्र	17/10/2025	मंगल	30/05/2032	राहु	14/06/2042	गुरु	03/02/2053	शनि	29/08/2070
मंगल	22/02/2026	राहु	28/11/2033	गुरु	21/05/2043	शनि	11/12/2055	बुध	04/12/2072
राहु	16/01/2027	गुरु	30/03/2035	शनि	29/06/2044	बुध	30/06/2058	केतु	10/11/2073
गुरु	05/11/2027	शनि	29/10/2036	बुध	26/06/2045	केतु	18/07/2059	शुक्र	11/07/2076
शनि	17/10/2028	बुध	30/03/2038	केतु	22/11/2045	शुक्र	18/07/2062	सूर्य	29/04/2077
बुध	23/08/2029	केतु	29/10/2038	शुक्र	23/01/2047	सूर्य	12/06/2063	चंद्र	29/08/2078
केतु	29/12/2029	शुक्र	29/06/2040	सूर्य	30/05/2047	चंद्र	10/12/2064	मंगल	05/08/2079
शुक्र	29/12/2030	सूर्य	29/12/2040	चंद्र	29/12/2047	मंगल	29/12/2065	राहु	29/12/2081

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/12/2081		30/12/2100		30/12/2117		30/12/2124		30/12/2144	
30/12/2100		30/12/2117		30/12/2124		30/12/2144		00/00/0000	
शनि	01/01/2085	बुध	28/05/2103	केतु	28/05/2118	शुक्र	30/04/2128	सूर्य	18/04/2145
बुध	11/09/2087	केतु	25/05/2104	शुक्र	28/07/2119	सूर्य	30/04/2129	चंद्र	05/09/2145
केतु	20/10/2088	शुक्र	25/03/2107	सूर्य	03/12/2119	चंद्र	30/12/2130		00/00/0000
शुक्र	20/12/2091	सूर्य	30/01/2108	चंद्र	03/07/2120	मंगल	29/02/2132		00/00/0000
सूर्य	01/12/2092	चंद्र	30/06/2109	मंगल	29/11/2120	राहु	01/03/2135		00/00/0000
चंद्र	03/07/2094	मंगल	27/06/2110	राहु	18/12/2121	गुरु	30/10/2137		00/00/0000
मंगल	11/08/2095	राहु	14/01/2113	गुरु	24/11/2122	शनि	30/12/2140		00/00/0000
राहु	17/06/2098	गुरु	22/04/2115	शनि	02/01/2124	बुध	31/10/2143		00/00/0000
गुरु	30/12/2100	शनि	30/12/2117	बुध	30/12/2124	केतु	30/12/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 3 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।